वजीराबाद के नजदीक 32 एकड़ में बनाई जाएगी झील

नगर निगम कराएगा टोपोग्राफी सर्वे, सरस्वती कुंज के नजदीक बननी है झील, बारिश के दिनों में प्राकृतिक नाले से मिलेगा पानी

संदीप रतन ● गुरुग्राम

वजीराबाद और सरस्वती कुंज के नजदीक जोहड़ का विस्तार कर झील बनाई जाएगी। इसके लिए करीब 32 एकड़ जमीन नगर निगम ने चिह्नित कर ली है। झील का निर्माण करने से पहले नगर निगम इस जमीन का टोपोग्राफी (भौगोलिक) सर्वे करवाएगा। एक एजेंसी को सर्वे का काम सौंपा जाएगा। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक सर्वे पूरा होने के बाद झील बनाने के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी।

खास बात यह है कि वजीराबाद के पास एक जोहड़ है, जिसको विकसित कर झील का रूप दिया जाएगा। हालांकि इस झील के आसपास कहीं पर निर्माण नहीं किया जाएगा, लेकिन जोहड़ का विस्तार कर झील बनाने से यह आकर्षण का केंद्र बन सकता है। इस तरह की योजना 2015 में हुडा ने भी सेक्टर 72 के नजदीक 350 एकड़ में कृत्रिम झील तैयार करने की बनाई थी, लेकिन शहर के अंदर इतनी ज्यादा जमीन नहीं होने के कारण योजना सिरे नहीं चढ़ सकी। अब नगर निगम कृत्रिम झील बनाने की तैयारी कर रहा है।

झील का दृश्य ● फाइल फोटो

वजीराबाद के जोहड़ का विस्तार कर झील बनाने के लिए टोपोग्राफी सर्वे जल्द शुरू किया जाएगा। झील के साथ ही एक बड़ा पार्क भी विकसित किया जाएगा।

वी. उमाशंकर, निगमायुक्त गुरुग्राम।

पार्कऔर झील बनने से मिलेगा फायदा

जोहड़ का विस्तार कर झील बनाने के अलावा इस जगह पर एक बड़ा पार्क भी बनाया जाएगा। इससे लोगों को काफी फायदा मिलेगा। सुबह-शाम लोग यहां पर सैर कर सकेंगे। शहर या इसके आसपास अभी तक कोई झील नहीं है। सोहना के दमदमा में झील बनी हुई है, लेकिन यहां पर झील के रखरखाव और सुविधाओं के अभाव में कम ही लोग इस झील पर पहुंच रहे हैं। शहर के अंदर झील बनने से यह एक पिकनिक स्पॉट के रूप में भी उभर सकता है।

मुख्यमंत्री ने की थी घोषणा, नाले से मिलेगा पानी : वजीराबाद में झील बनाने की घोषणा मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने की थी। इस झील को इस क्षेत्र से गुजर रहे एक प्राकृतिक नाले से पानी मिलेगा। बारिश के दिनों में प्राकृतिक नाले पानी से भर जाते हैं। इस क्षेत्र से थोड़ा आगे अरावली की पहाड़ियां शुरू हो जाती हैं। बारिश के दिनों में न्यू गुरुग्राम की कई सोसायटियों और सेक्टरों तक पहाड़ियों का पानी पहुंच जाता है, जिससे जलभराव होता है। झील के बनने से बारिश का पानी झील में जमा हो जाएगा। इससे जलभराव की समस्या भी खत्म हो जाएगी।

नजफगढ़ ड्रेन के नजदीक भी बनेगी झील

आदित्य राज ● गुरुग्राम

जल्द ही नजफगढ़ ड्रेन के नजदीक लोग झील किनारे घूमने का आनंद उठा सकेंगे। इसके लिए सिंचाई विभाग ने 120 हेक्टेयर भूमि पर झील बनाने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा है। यह ऐसी भूमि है जो हमेशा ही पानी से लबालब रहती है। यही नहीं ड्रेन के ओवरफ्लो होने के बाद दायरा 250 हेक्टेयर तक पहुंच जाता है।

गांव दौलताबाद सहित कई गांवों की जमीन नजफगढ़ ड्रेन के नजदीक है। वर्षों से इस जमीन पर पानी भरा हुआ है। काफी बड़े हिस्से पर किसान कोई फसल तक नहीं लगा पा रहे हैं। इसे देखते हुए सिंचाई विभाग इस जमीन को झील के रूप में विकसित करना चाहता है। इसके लिए केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव देखने के बाद मंत्रालय ने विभाग से कहा है कि जिन किसानों की जमीन है, उनसे पहले सहमति ली जाए। उनकी जमीन सरकार खरीदे।

इस बारे में किसानों के साथ एक बार बैठक हो चुकी है। किसानों ने कहा है कि यदि उन्हें बाजार मूल्य से कीमत मिलती है तो बेचने में कोई दिक्कत नहीं। जल्द ही दोबारा किसानों के साथ बैठक होगी। किसानों से बातचीत फाइनल होने के बाद सही मायने में कितनी जमीन है, उसकी पड़ताल की जाएगी। इलाके के पटवारी पैमाइश करेंगे ताकि किस किसान की कितनी जमीन है, यह सही से पता चल सके।

किसानों से बातचीत चल रही है। पूरी उम्मीद है कि जल्द ही बातचीत पटरी पर आ जाएगी। किसान को बाजार मूल्य के हिसाब से कीमत चाहिए। यह प्रदेश सरकार के स्तर पर निर्णय होगा। झील बनाने का निर्णय जल संरक्षण एवं पर्यटन को बढ़ावा देने को ध्यान में रखकर किया गया है।

एसएस रावत, अधीक्षण अभियंता, सिंचाई विभाग, गुरुग्राम।

120 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई विभाग ने नजफगढ़ ड्रेन के नजदीक झील बनाने के लिए केंद्र सरकार के पास प्रस्ताव भेजा

- यह जमीन हमेशा पानी से लबालब रहती है, ड्रेन ओवरफ्लो होने के बाद दायरा 250 हेक्टेयर तक पहुंच जाता है

जल संरक्षण के साथ पर्यटन को बढ़ावा

सिंचाई विभाग के मुताबिक झील बनने से जहां जल संरक्षण होगा वहीं पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे आसपास के इलाके में रौनक आएगी। गंदगी का नामोनिशान नहीं होगा। बता दें क नजफगढ़ ड्रेन का गंदा पानी 120 हेक्टेयर भूमि में हमेशा भरा रहता है। किसानों से बातचीत फाइनल होते ही झील की रूपरेखा क्या होगी, झील के नजदीक क्या-क्या सुविधाएं उपलब्ध होंगी, इस बारे में प्रोजेक्ट तैयार किया जाएगा।

एक के बाद एक 18 वाहन भिड़े

संवाद सहयोगी, पलवल: राष्ट्रीय राजमार्ग पर आल्हापुर के निकट बृहस्पतिवार को घने कोहरे के कारण करीब 18 वाहन आपस में भिड़ गए। इस दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई, जबकि करीब दस लोग घायल हो गए। । दैनिक जागरण ने राजमार्ग पर रोशनी व रिफलेक्टर आदि की व्यवस्था न होने और अन्य कमियों को लेकर कई खबरें प्रकाशित कर प्रशासन व राजमार्ग प्राधिकरण को आगाह किया था, परंतु कोई कदम नहीं उठाए गए। बृहस्पतिवार को घने कोहरे के कारण वाहनों की रफ्तार कम थी, परंतु दृश्यता कम होने के कारण नजदीक का भी दिखाई नहीं दे रहा था।

तालाब की खोदाई के लिए श्रमदान करने को सिलोखरा के ग्रामीण तैयार

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम: जिला प्रशासन ने वर्ष 1955 से 1960 के दौरान जिले में मौजूद तालाबों का पता लगाने के लिए उसकी तलाश शुरू की है। 40 से अधिक पटवारी सर्वे कर रहे हैं। प्रशासन के इस अभियान में गांव सिलोखरा के लोग भी भागीदारी निभाना चाहते हैं। गांव सिलोखरा के लोग तालाब की खोदाई के लिए न केवल श्रमदान के लिए तैयार हैं बल्कि आर्थिक रूप से भी मदद करने को तैयार हैं। गांव के लोगों ने जिला राजस्व अधिकारी के नाम तहसीलदार नौरंग राय को ज्ञापन सौंपकर कहा है कि प्रशासन सबसे पहले उनके गांव में तालाब की खोदाई कराए। पूरा गांव हर स्तर पर तैयार मिलेगा। जिस दिन से खोदाई शुरू होगी, उस दिन पूरे गांव में जश्न मनाया जाएगा।

तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते सिलोखरा के ग्रामीण ● जागरण

गांव सिलोखरा निवासी व वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. मुकेश शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीण बुधवार को जिला राजस्व अधिकारी हरिओम अत्री से मिलने के लिए पहुंचे। उनकी अनुपस्थिति में तहसीलदार नौरंग राय को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि जिले में तालाब की खोदाई उनके गांव से ही की जाए। डॉ. शर्मा ने बताया कि उनके गांव का तालाब, गांव ही नहीं बल्कि आसपास के लोगों के लिए तीर्थ स्थल था। धीरे-धीरे साजिश के तहत उसे भर दिया गया। तालाब के भरने से हल्की बारिश होते ही गांव में भारी जलभराव हो जाता है। सड़कें कभी भी दुरुस्त नहीं रहती हैं।

गांव निवासी राममेहर यादव, धर्मबीर शर्मा, अतर सिंह शर्मा, राधेश्याम एवं रामपत यादव ने तहसीलदार से कहा कि वर्षों पहले जब बारिश नहीं होती थी तो तालाब के नजदीक मीठा चावल बनाकर वितरित किया जाता है। शाम होते ही बारिश हो जाती थी। ऐसी मान्यता है। तालाब की खोदाई होने से जहां जल संरक्षण होगा वहीं भूमिगत जल स्तर बढ़ेगा। इस बारे में जिला राजस्व अधिकारी हरिओम अत्री ने बताया कि जहां भी तालाब था, उसकी जानकारी अगले सप्ताह तक सामने आ जाएगी। गांव सिलोखरा के लोगों ने तालाब की खोदाई के लिए दिलचस्पी दिखाई है, इसकी जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है। सर्वे के बाद जो तालाब हैं उनके रखरखाव व जिन तालाबों का अस्तित्व समाप्त हो चुका है उन्हें पुनजीर्वित करने का प्रयास शुरू किया जाएगा।

खेतों व घरों के सामने गंदा पानी भरा

संवाद सहयोगी, सोहना: नूंह रजबहा से आया गंदा पानी सिलानी गांव के किसानों के खेतों तथा गांव के बाहर बने घरों के सामने भर जाने से ग्रामीण खफा हो गए। इस मुद्दे को लेकर लोगों ने गांव के सामने बृहस्पतिवार को सोहना-पलवल रोड पर दोपहर करीब एक बजे जाम कर दिया। दो घंटे तक जाम लगने से सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लगी तो सोहना तहसीलदार व पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा कर जाम खुलवाया।

ग्रामीण महा सिंह, रामऔतार, दिनेश ने बताया कि फरीदाबाद की ओर से सिलानी होते हुए रजबहा में दस साल पहले यमुना नदी का पानी आता था। मगर अब नहरी पानी की जगह फरीदाबाद शहर में लगी कई औद्योगिक इकाइयों का सीवेज तथा गांवों से निकलने वाला गंदा पानी इस नहर में डाल दिया जाता है। इसके चलते नहर गंदा नाला बन कर रह गई है। एक माह पहले पानी तेजी से छोड़ा गया था तो किसानों ने बवाल किया था। इसके बाद पानी रोक दिया गया था। बताते हैं कि बुधवार रात फिर पानी छोड़ा गया और किसानों के खेत व घर के बाहर की जगह जलमग्न हो गई। इससे गुस्साए लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। मौके पर पहुंचे एसडीएम विजय यादव ने कहा पानी नहीं छोड़ा जाए इसके लिए उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा बर्बाद हुई फसल की भरपाई के लिए पटवारी से सर्वे करा किसानों को मुआवजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

गंदे पानी में से निकलते हुए गांव सिलानी के किसान ● जागरण

एनजीटी ने पानी की बर्बादी पर 15 दिन में जांच रिपोर्ट मांगी

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम: सुशांत लोक दो और तीन में भूजल दोहन मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के चेयरमैन जस्टिस स्वतंत्र कुमार ने जिला उपायुक्त को आदेश जारी कर 15 दिन के अंदर जांच पूरी कर कार्रवाई करने का आदेश दिया है। सुशांत लोक तीन निवासी राजेंद्र गोयल ने याचिका दायर कर कहा था कि 500 एकड़ में अंसल बिल्डर ने सुशांत लोक दो और तीन को विकसित तो कर दिया, लेकिन अभी तक हुडा से पेयजल का कनेक्शन नहीं लिया है। कॉलोनी में बने हजारों घरों को ग्राउंड वाटर सप्लाई किया जा रहा है। अवैध रूप से ग्राउंड वाटर का दोहन करके उसे बेचा जा रहा है। दूसरे ग्राउंड वाटर को ट्रीट भी नहीं किया जा रहा है।

विधानसभा में भी गुरुग्राम सहित 11 जिलों का ग्राउंड वाटर जहरीला होने का मामला उठ चुका है। इस तरह इन कॉलोनियों में रह रहे हजारों लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। गुरुग्राम के जिला उपायुक्त से 3 अक्टूबर को शिकायत की गई थी, लेकिन उन्होंने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। आरोप लगाया था कि कॉलोनी में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी नहीं है, जिससे ग्राउंड वाटर लगातार नीचे जा रहा है। जिला उपायुक्त ने कोई एक्शन नहीं लिया तो एनजीटी का दरवाजा खटखटाना पड़ा। याचिकाकर्ता के वकील यतीश गोयल का कहना है कि एनजीटी ने 15 दिन के अंदर कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। यदि अब भी कार्रवाई नहीं होती है तो एनजीटी में अवमानना याचिका दायर की जाएगी।

एनजीटी ने निर्देश दिया कि जिला प्रशासन अवैध कॉलोनी समेत अपने यहां स्थित तीन कॉलोनियों की सूची तैयार करे। डेंगू-चिकनगुनिया की रोकथाम के लिए पर्याप्त कदम तैयार उठाए जाएं।

महेंद्र पांडेय, सेवानिवृत वैज्ञानिक

सोहना रोड पर रोजाना जाम हुआ आम

सुभाष चौक स्थित गुरुग्राम - सोहना रोड पर लगा था भयंकर जाम ● जागरण

जासं, गुरुग्राम : दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे की तरह ही सोहना रोड पर ट्रैफिक जाम आम हो चुका है। वाहनों का दबाव बढ़ते ही जाम हो जाता है। बृहस्पतिवार को भी कई बार राजीव चौक से लेकर सुभाष चौक के बीच ही नहीं बल्कि आगे वाटिका चौक के नजदीक भी कई बार ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हुई। इससे लोगों को काफी परेशानी हुई।

लोगों का कहना है कि जल्द से जल्द सोहना रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में विकसित करने काम शुरू किया जाए। जब तक राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में विकसित नहीं होगा तब तक ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहेगी। बादशाहपुर निवासी राजकुमार एवं हरमेश सिंह कहते हैं कि रोड के दोनों तरफ अतिक्रमण की वजह से भी ट्रैफिक जाम रहता है। इस विषय पर प्रशासन ध्यान देने को तैयार नहीं। इस बारे में एनएचएआइ के निदेशक एके शर्मा का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में विकसित करने का काम जल्द ही शुरू होगा। इस दिशा में कार्यवाही तेजी से चल रही है।

खोदाई करते समय मिट्टी गिरने से मजदूर की मौत

जासं, फरीदाबाद : डबुआ-गाजीपुर रोड पर सीवर लाइन की खोदाई करते समय मिट्टी के नीचे दबकर मजदूर की मौत हो गई, वहीं उसका साथी घायल हो गया। घायल को एस्कोर्ट्स अस्पताल में भर्ती कराया है। मिली जानकारी के अनुसार डबुआ-गाजीपुर रोड पर सीवर लाइन डालने का काम चल रहा है। इसके लिए गहरी खोदाई की जा रही है। मूलरूप से समस्तीपुर बिहार निवासी उपेंद्र महतो व उसके साथी आत्माराम के ऊपर खोदाई करते समय बड़ी मात्रा में मिट्टी गिर पड़ी। इससे वे नीचे दब गए। साथियों ने उन्हें बाहर निकालकर एस्कोर्ट्स अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपेंद्र को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

कार्रवाई

23ए में शुरू हुआ सड़कों का निर्माण और पानी सीवेज को बदले जाने का काम, जून 2016 में शुरू हुआ था सड़क का काम, बीच में बंद हो गया था

सेक्टर 23 ए बनेगा मॉडल सेक्टर, फिर से शुरू हुए अधूरे काम

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम : सेक्टर 23ए को कई साल पहले पूर्व हुडा प्रशासक प्रवीण कुमार ने मॉडल सेक्टर के रूप में विकसित करने की बात की थी। पूर्व हुडा प्रशासक की यह घोषणा को कई साल बाद वर्तमान निगमायुक्त वी उमाशंकर पूरा करने की तैयारी में जुट गए हैं। सेक्टर 23 ए के लोग सेक्टर में इस हफ्ते शुरू हुई सड़कों की पुनर्निमाण और पानी व सीवेज की पाइप लाइन बदलने की बात से काफी खुश हैं। पिछले हफ्ते सेक्टर में दैनिक जागरण के जागरण आपके द्वार कार्यक्रम के तहत पहुंची जागरण टीम को सेक्टर के लोगों ने वहां की समस्याओं से रूबरू कराया था। जागरण आपके द्वार के प्रकाशन के बाद निगम की सेक्टर के अधूरे कामों के प्रति तेजी से शुरुआत हुई है। जून 2016 में सड़कों के बनाने का काम शुरू किया गया था, जिसे बीच में बंद कर दिया गया था। इसे दोबारा शुरू किया गया है। पेयजल लाइन की लीकेज के कारण इस सेक्टर में कई बार पानी की समस्या और गंदे पानी की आपूर्ति की दिक्कत आती रही है। पुरानी प्लास्टिक और सीमेंट की वाटर पाइप लाइन की जगह सेक्टर में हाई क्वालिटी डीआइ पाइप लाइन शुरू की जा रही है। इससे सेक्टर के लोगों में स्वच्छ पानी की आपूर्ति की उम्मीद बंधी है। लोगों में सेक्टर के मॉडल सेक्टर बनने की उम्मीद जगी है।

जागरण प्रभाव

सेक्टर 23ए में पानी की पाइप लाइन डालने के लिए हुआ काम शुरु ● जागरण

सेक्टर 23ए में बनाई जा रही सड़क ● जागरण

31 अक्टूबर को हुई प्रकाशित खबर ● जागरण

मैं सेक्टर 23 ए के लोगों की तरफ से दैनिक जागरण और नगर निगम को धन्यवाद करना चाहता हूं। जागरण ने प्रमुखता से हमारी समस्याएं प्रकाशित की है। अब हमारे सेक्टर में सड़कों को बनाए जाने का काम शुरू हो गया है। 25 साल पुरानी पेयजल की लाइन बदलने का काम शुरू हुआ है। हम उम्मीद करते हैं कि आने वाले दिनों में हमारा सेक्टर शहर का मॉडल सेक्टर होगा।

मलखान सिंह यादव, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष सेक्टर 23 ए।